समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मोदी ने केरल मे भाजपा की बढ़त को बताया विकास की शुरुआत

Publisher Published on 23 Jan 2026

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि **भाजपा का केरल मे उंभार गुजरात की तरह चरणबद्ध रूप से बढ़ेगा**। उन्होंने हाल ही में पार्टी की **थिरुवनंतपुरम निगम मे जंीत** को एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत बताया और दावा किया कि यह सिर्फ शुरुआत है।

गुजरात की याद, वर्तमान केरल की पहचान

पीएम मोदी ने अपने भाषण में गुजरात के अनुभव को याद करते हुए स्पष्ट किया कि कैसे **1987 मे अंहमदाबाद निगम चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने वहां मजबूती से पद स्थापित किया**। वही पैटर्न अब केरल में भी दिख रहा है, जहां से जनता भाजपा को समर्थन दे रही है।

मोदी का कहना था कि "**एक शहर से हमारी यात्रा शुरू हुई और आज गुजरात मे लंबा सफ़र तय हुआ है — उसी तरह केरल मे हंमारी शुरुआत हुई है।**"

एलडीएफ-यूडीएफ पर हमला और बदलाव की बात

पीएम मोदी ने केरल की मुख्य पार्टियों — लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) — पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि **इन गठबंधनों की कथित लापरवाही और भ्रष्टाचार ने राज्य मे विकास को रोका है**, और बदलाव अब आवश्यक है।

उन्होंने लोगों से "**लोकहित और विकासमुखी सरकार**" की मांग करते हुए भाजपा और एनडीए के पक्ष में वोट का आग्रह किया।

थिरुवनंतपुरम जीत का राजनीतिक अर्थ

थिरुवनंतपुरम में भाजपा की हालिया जीत को प्रधानमंत्री ने **एक निर्णायक जनादेश के रूप मे पेश किया**, जिससे यह संकेत

मिलता है कि जनता राज्य में राजनीति के 'परिवर्तन' की दिशा में सोच रही है।

यह जीत **भारतीय राजनीति मे भंाजपा के दक्षिणी विस्तार के लिए महत्वपूर्ण मोड़** मानी जा रही है, खासकर जब यह राज्य परंपरागत रूप से कांग्रेस और लेफ्ट का गढ़ रहा है।

आगामी चुनाव से पहले केरल का परिचय

केरल में **विधानसभा चुनाव 2026** की तैयारियाँ चल रही हैं, और भाजपा इस समय अपनी रणनीति को मजबूत कर रही है। पार्टी ने हाल ही में थिरुवनंतपुरम में रोडशो और जनसभाएँ भी आयोजित की हैं और विकास व बदलाव को अपना मुख्य एजेंडा बताया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.